RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 102
दि. 10.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

'पिछले 10 सालों में भारत ने की ऐतिहासिक प्रगति', ब्राजील ने पीएम मोदी को लेकर भी कही बड़ी बात

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, भारत की प्रगति का पुरजोर समर्थन करते हुए भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स दा नोब्रेगा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और पिछले एक दशक में देश के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही क्षेत्रों में हुए विकास को शानदार बताया। उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा को मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा रक्षा, ऊर्जा, दवा, क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं

भारत का मूल्यांकन करना ब्राजील का काम नहीं लेकिन...

उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा को मील का पत्थर बताया। विशेष बातचीत में राजदूत दा नोब्रेगा ने कहा कि भारत का मूल्यांकन करना ब्राजील का काम नहीं है, लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमने जो देखा है वह वाकई शानदार विकास है। बेशक, हम कोई फैसला नहीं सुना सकते हैं, लेकिन प्रगति स्पष्ट है।

रक्षा, ऊर्जा, दवा, क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं

उन्होंने कहा कि अगर मैं गलत नहीं हूं तो पिछले 20 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ये पहली ब्राजील यात्रा है। उन्होंने कहा कि रक्षा, ऊर्जा, दवा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। पिछले दो वर्षों में ब्राजील से 77 कारोबारी प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया, जबकि भारत से 40 मिशन ने ब्राजील में संभावनाएं टटोलीं।

ट्रंप की 'टैरिफ हमले' के बीच पीएम मोदी और पुतिन की फोन पर क्या बातचीत हुई?

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाने और रूस से तेल खरीद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत की। इस वार्ता में दोनों नेताओं ने भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

मोदी और पुतिन ने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की और भारत-रूस के विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेन से जुड़े ताजा हालात की जानकारी दी, जिसके बाद पीएम मोदी ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की स्थायी नीति को दोहराया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स (ट्विटर का बदला हुआ नाम) पोस्ट में कहा,

"मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत ही अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। मैंने उन्हें यूक्रेन की ताजा घटनाक्रम की जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की और भारत-रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के संकल्प को दोहराया। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी करने की प्रतीक्षा कर रहा हूं।"

ढट मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को भारत आने का भी दिया न्योता

राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के बीच व्यापार, आर्थिक और निवेश सहयोग पर चर्चा हुई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक दोनों नेताओं ने इस हफ्ते मॉस्को पहुंचे ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ की यात्रा पर भी बातचीत की है।

पीएम मोदी ने पुतिन को इस साल के अंत में 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का न्योता भी दिया। यह पुतिन की चार साल में पहली भारत यात्रा होगी।

ट्रंप के 25% एक्स्ट्रा टैरिफ के फैसले के एक दिन बाद ठरअ अजीत डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से की मुलाकात

ट्रंप के 25% एक्स्ट्रा टैरिफ के फैसले के एक दिन बाद ठरअ अजीत डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से की मुलाकात

फारुख अब्दुल्ला अब किस बात पर हुए खफा? अग्रेंजो का भी किया जिक्र

नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने "लायन ऑफ नौशेरा" नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, "अगर मुसलमान का खून बहता है, तो कोई परवाह नहीं करता, लेकिन अगर हिंदू का खून बहे, तो पूरा देश खड़ा हो जाता है। अब्दुल्ला ने विभाजन के समय की स्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना को लगता था कि कश्मीर मुस्लिम बहुल क्षेत्र है और भारत के बजाय पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। किताब के उद्घाटन के मौके पर फारुख अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी की।

पीएम ने स्कूली बच्चियों के साथ मनाई राखी

(जीएनएस)।

रक्षाबंधन का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राखी मनाने के लिए उनके आधिकारिक आवास पर स्कूली बच्चियां पहुंची। पीएम ने त्योहार के सेलिब्रेशन का वीडियो अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। बच्चियों के साथ प्रधानमंत्री का अलग ही रूप देखने को मिला। वह खूब हंसते-खिलखिलाते दिखे और एक बच्ची के साथ हार्ट का शेप बनाना भी सीखते दिखे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को राखी की बधाई देते हुए कहा कि यह त्योहार सबके जीवन में खुशियां लेकर आए।

प्रधानमंत्री हर साल राखी का त्योहार स्कूल की बच्चियों के साथ ही मनाते हैं और इस दौरान बच्चे उनके साथ खूब बातचीत करते हैं। पीएम मोदी ने इस बार भी 7 लोक कल्याण मार्ग पर स्थित अपने आवास पर आए ढेर सारी स्कूली छात्राओं और कई साध्वियों से राखी बंधवाई। इस दौरान उन्होंने कुछ सवालों के भी जवाब दिए।

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से त्योहार के सेलिब्रेशन का वीडियो शेयर किया है। पीएम को राखी बांधते देखकर स्कूली बच्चियां काफी खुश लग रही थीं और कुछ ने तो उनसे सवाल भी पूछे जिसका जवाब भी पीएम ने दिया। आध्यात्मिक संगठन ब्रह्म कुमारी से आईं बहनों से भी राखी बंधवाई। प्रधानमंत्री से मिलने की खुशी बच्चियों के चेहरे पर झलक रही थी।

प्रधानमंत्री के अलावा सभी दिग्गज नेताओं ने सोशल मीडिया पर देशवासियों को राखी के त्योहार की बधाई दी है। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों को राखी की बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'स्नेह की पवित्र गांठ, विश्वास की मौन प्रतिज्ञा, भाई-बहन के अटूट प्रेम की जीवंत अभिव्यक्ति रक्षाबंधन की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई।'

प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पूर्व सीएम मायावती, अखिलेश यादव, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी राखी के त्योहार पर देशवासियों को बधाई दी है।

काकोरी रेलगाड़ी कांड एक्शन के 100 साल:लखनऊ के छेदीलाल धर्मशाला में बनी थी योजना, जीपीओ में चला ऐतिहासिक मुकदमा

(जीएनएस)।

लखनऊ के पास काकोरी में 9 अगस्त 1925 को हुई एक साहसी ट्रेन डकैती ने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी थी। इस घटना को इतिहास में काकोरी रेलगाड़ी कांड के नाम से जाना जाता है, जिसे अब उत्तर प्रदेश सरकार ने काकोरी ट्रेन एक्शन का नाम दिया है।

इस क्रांतिकारी घटना ने न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी, बल्कि लखनऊ की दो ऐतिहासिक इमारतों-जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) और छेदीलाल धर्मशाला-को भी इस गौरवमयी इतिहास का हिस्सा बनाया। आइए, इस शताब्दी वर्ष में इन दोनों स्थानों के इस कांड से जुड़े महत्व को जानते हैं...

छेदीलाल धर्मशालाः क्रांतिकारियों का ठिकाना

लखनऊ के हलचल भरे अमीनाबाद इलाके में, झंडेवालान पार्क के सामने बनी छेदीलाल धर्मशाला वह गुप्त ठिकाना था, जहां क्रांतिकारियों ने काकोरी कांड की योजना को अंतिम रूप दिया। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (ल्फ्अ) के नेतृत्व में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों ने 8 अगस्त 1925 को इस धर्मशाला में इमरजेंसी मीटिंग की थी।

धर्मशाला के प्रबंधक रामनाथ गुप्ता के मुताबिक, राम प्रसाद बिस्मिल कमरा नंबर 211 (अब 227) में रुके थे। गोपनीयता बनाए रखने के लिए क्रांतिकारी छद्म नामों और फर्जी पतों के साथ यहां ठहरे थे, ताकि उनकी योजना ब्रिटिश पुलिस की नजरों से बची रहे।

क्रांतिकारी रामकृष्ण खत्री के पोते रोहित खत्री ने बताया, 'मेरे पिता उदय खत्री मुझे काकोरी के वीरों की कहानियां सुनाया करते थे। धर्मशाला में क्रांतिकारियों की बैठक इतनी गुप्त थी कि कई लोग एक-दूसरे को नहीं जानते थे, फिर भी एक मिशन के लिए एकजुट थे।' रोहित का सुझाव है कि धर्मशाला में एक छोटा संग्रहालय बनाया जाए, ताकि युवा पीढ़ी को इस बलिदान की कहानी पता चले।

जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ): जहां चला ऐतिहासिक मुकदमा

लखनऊ के हजरतगंज में खड़ा जनरल पोस्ट ऑफिस पहले रिंग थिएटर के नाम से जाना जाता था। काकोरी कांड के बाद यहीं वह ऐतिहासिक मुकदमा चला, जिसमें क्रांतिकारियों को सजा सुनाई गई। शुरूआत में यह केस रोशनुद्दौला कचहरी में शुरू हुआ, लेकिन क्रांतिकारियों के समर्थन में उमड़ती भीड़ को देखते हुए अंग्रेजों ने इसे जीपीओ में स्थानांतरित कर दिया। इतिहासकार डॉ. रवि भट्ट के अनुसार, '1926 में जीपीओ में एक अस्थायी कोर्ट बनाया गया था। यहीं पर जज आचीर्बाल्ड हैमिल्टन ने राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फांसी की सजा सुनाई।'

6 अप्रैल 1927 को कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला सुनाया, जिसमें चार क्रांतिकारियों को मौत की सजा और अन्य को 4 से 14 साल तक की सजा दी गई। इस मुकदमे में 42 लोग गिरफ्तार हुए, लेकिन चंद्रशेखर आजाद पुलिस की पकड़ से दूर रहे। जीपीओ की दीवारें आज भी उन क्रांतिकारियों की हुंकार की गवाह हैं, जिन्होंने कोर्ट में 'मेरा रंग दे बसंती चोला' गाते हुए फांसी को गले लगाया।

काकोरी कांडः क्यों और कैसे हुआ?

1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया था, जिससे युवा क्रांतिकारी निराश हो गए। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन ने सशस्त्र क्रांति के लिए धन जुटाने का फैसला किया। राम प्रसाद बिस्मिल ने देखा कि सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन (8 डाउन) में सरकारी खजाना बिना ताले के लोहे के संदूक में ले जाया जाता है। 9 अगस्त 1925 को काकोरी के पास राजेंद्र लाहिड़ी ने ट्रेन की चेन खींची, और बिस्मिल, अशफाकउल्ला, और चंद्रशेखर आजाद ने गार्ड को काबू कर 4601 रुपये लूट लिए। इस धन का इस्तेमाल हथियार खरीदने के लिए होना था।

लेकिन एक चादर पर लगी धर्मशाला की मोहर ने क्रांतिकारियों को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाई। अंग्रेजों ने 40 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया और करीब 10 लाख रुपये खर्च कर इस केस को सुलझाया।

शताब्दी वर्ष में स्मरण

2024-25 में काकोरी कांड की 100वीं वर्षगांठ पर उत्तर प्रदेश सरकार ने कई आयोजन किए। 8 अगस्त 2025 को लखनऊ के काकोरी शहीद स्मारक में समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'यह घटना युवाओं के लिए प्रेरणा है। क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश खजाने को लूटकर स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी।'

खान सर का रक्षाबंधनः पटना में 'शिक्षक' को 15 हजार बहनों ने बांधी राखी, पूछा-भाभी कहां हैं?

धार्मिक सीमाओं को पार करते हुए हजारों हिंदू बहनों से कलाई पर रक्षा सूत्र सजवाने वाले देश के चर्चित शिक्षक खान सर ने रक्षाबंधन 2025 पर भी एक नई मिसाल कायम की है। बिहार की राजधानी पटना स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 9 अगस्त (शनिवार) को खान सर की रक्षाबंधन में पढ़ाई और स्नेह का रिश्ता धर्म की दीवारें लांघकर भाई-बहन के पवित्र बंधन में बदल गया। इस साल 15,000 से ज्यादा छात्राओं ने अपने "गुरु-भाई" खान सर को राखी बांधी हैं।

'महाराष्ट्र मे मिली थी 160 सीट जिताने की गारंटी लेकिन राहुल गांधी', शरद पवार ने किया चौंकाने वाला खुलासा

(जीएनएस)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने राहुल गांधी द्वारा कथित चुनावी अनियमितताओं पर दिए गए बयान की प्रशंसा की है। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा गांधी से एक अलग हलफनामा मांगने की आलोचना भी की। इसके साथ ही शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर बड़ा ही चौंकाने वाला खुलासा किया है।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने खुलासा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले दो लोग उनसे मिले थे। इन लोगों ने उन्हें 288 सीटों में से 160 सीटें जीतने की गारंटी देने का दावा किया था।

पवार ने बताया, "मैंने इन लोगों की मुलाकात राहुल गांधी से करवाई। उन्होंने गांधी को अपनी पेशकश बताई, लेकिन हम दोनों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कहा, 'यह हमारा तरीका नहीं है।' हमें शायद इसे इतनी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए था, लेकिन मुझे अब भी याद है कि विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले, दो लोग दिल्ली में मुझसे मिलने आए थे।"

शरद पवार ने आगे कहा, "उन्होंने मुझे बताया कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं, और वे हमें उनमें से 160 सीटों की गारंटी दे सकते हैं। मैं हैरान था। मैं स्पष्ट कर दूं कि भले ही उन्होंने ऐसी गारंटी का दावा किया हो, मुझे चुनाव आयोग पर कोई संदेह नहीं था। लेकिन ऐसे लोग आते रहते हैं, इसलिए मैंने उन्हें नजरअंदाज कर दिया।"

शरद पवार ने स्पष्ट किया, "मैंने राहुल गांधी के साथ उनकी मुलाकात तय की। उन्होंने उन्हें वह सब बताया जो वे चाहते थे। हालांकि, राहुल गांधी और मुझे दोनों को लगा कि हमें ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यह हमारा रास्ता नहीं है। हमने फैसला किया कि हम लोगों के सामने जाएंगे और उनका समर्थन हासिल करने के तरीके तलाशेंगे।"

राहुल गांधी के आरोपों की गहराई से जांच होनी चाहिए

शरद पवार ने राहुल गांधी द्वारा चुनावी अनियमितताओं पर दी गई प्रस्तुति की सराहना की और निर्वाचन आयोग द्वारा उनसे अलग हलफनामा मांगने की आलोचना की। उन्होंने कहा, "निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र निकाय है। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में पहले ही शपथ ले ली है, इसलिए अलग हलफनामे की कोई आवश्यकता नहीं है।" पवार ने कहा "यदि निर्वाचन आयोग फिर भी ऐसी बात पर जोर देता है, तो वह सही नहीं है। राहुल गांधी के आरोपों की गहराई से जांच होनी चाहिए।

एसआई पेपर लीक कांड में बड़ा खुलासाः पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के पीएसओ व बेटे की गिरफ्तारी

(जीएनएस)।

राजस्थान में 2021 की सब-इंस्पेक्टर भर्ती, जो युवाओं के सपनों का दरवाजा खोलने वाली मानी जा रही थी, अब सत्ता के गलियारों में फैले एक संगठित रैकेट का प्रतीक बन गई है। ताजा घटनाक्रम में एसओजी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव और उनके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पीएसओ ने अपने ही बेटे को पास कराने के लिए परीक्षा का पेपर खरीदना।

मीडिया की खबरों के अनुसार शनिवार देर रात हुई इस कार्रवाई में राजस्थान एसओजी की टीम सीधे जयपुर के उस पते पर पहुंची, जहां राजकुमार यादव मौजूद थे। साथ ही भरत यादव को भी हिरासत में लिया गया। शुरूआती पूछताछ में यह साफ

हो गया कि भरत ने लिखित परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन फिजिकल टेस्ट में असफल रहा। यह सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का मामला नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा था।

आरपीएससी सदस्य से लिया पेपर

राजकुमार यादव सिर्फ गहलोत के PSO ही नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भी सुरक्षा अधिकारी रह चुके थे। यही वह दौर था जब उनकी नजदीकी मंत्री के निजी सचिव कुंदन कुमार पांड्या से हुई। पांड्या पर आरोप है कि उन्होंने आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा से पेपर हासिल कर, इसे चुनिंदा लोगों तक पहुंचाया, जिनमें एक नाम राजकुमार का था।

स्कूल से शुरू हुआ खेल

पेपर जयपुर में हसनपुरा के एक निजी स्कूल से लीक हुआ। वहां के प्रिंसिपल और परीक्षा अधीक्षक राजेश खंडेलवाल ने 10 लाख रुपए लेकर प्रश्नपत्र बाहर भेजा। एक युवक विवेक उर्फ यूनिक ने स्ट्रॉन्ग रूम से लिफाफा चीरकर फोटो निकाली और वॉट्सऐप पर भेज दी।

ऐतिहासिक उपलब्धि: कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी सीमेंट लेकर अनंतनाग गुड्स शेड पहुँची

कश्मीर घाटी में मालगाड़ी का आगमन लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का सूचक

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2025

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

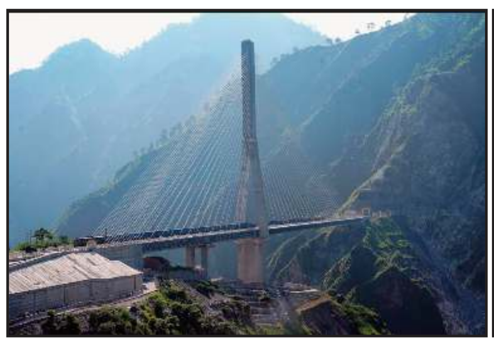

उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा आज 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दशार्ता है।

इस ट्रेन में परिवहन किए जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त, 2025 को 23:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेंट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन यानी 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गई। 8 अगस्त, 2025 को शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (GACL) सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक WAG-9 लोकोमोटिव (लोको संख्या 32177, TKD, ट्रिप 08/09) द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दशार्ता है।

इस पहली मालगाड़ी का आगमन न केवल एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा वलसाड एवं अजमेर के बीच चलाई जाएगी रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन रक्षाबंधन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से वलसाड एवं अजमेर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक और स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09612/09611 वलसाड – अजमेर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09612 वलसाड – अजमेर स्पेशल मंगलवार, 12 अगस्त, 2025 को वलसाड से 13:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:55 बजे अजमेर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09611 अजमेर – वलसाड स्पेशल सोमवार, 11 अगस्त, 2025 को 13:00 बजे अजमेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:30 बजे वलसाड पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, दुगार्पुरा, जयपुर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09612 की बुकिंग 10 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

10 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में शहरवासियों को करना पड़ेगा पावर कट का सामना, कहां-कहां रहेगा असर?

(जीएनएस)।

दिल्ली और एनसीआर के लोगों के लिए बड़ी खबर है। 10 अगस्त 2025 को बिजली विभाग द्वारा आवश्यक मेंटेनेंस और रिपेयरिंग कार्यों के चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान, निर्धारित समय के लिए घरों, ऑफिसों, दुकानों, स्कूलों और अस्पतालों में बिजली गुल रहेगी।

यह शेड्यूल्ड पावर कट बिजली सप्लाई सिस्टम को और बेहतर व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। टाटा पावर-DDL और अन्य बिजली वितरण कंपनियां इन दो दिनों में ट्रांसफॉर्मर, बिजली लाइनों और अन्य आवश्यक उपकरणों की जांच और मरम्मत करेंगी, ताकि भविष्य में बिजली से जुड़ी समस्याओं को कम किया जा सके।

हालांकि यह कटौती अस्थायी होगी, लेकिन इससे आम लोगों के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। बिजली विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय से पहले अपने जरूरी कार्य पूरे कर लें और बैकअप बिजली व्यवस्था का इंतजाम कर लें।.

दिल्ली-एनसीआर में 10 अगस्त 2025 को मेंटेनेंस कार्य के चलते कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, हैबतपुर के लगभग 6% इलाके में दो अलग-अलग समय स्लॉट में पावर कट किया जाएगा।

कहां-कहां और कब रहेगी बिजली कटौती:

स्पोर्ट्स सिटी एरिया और टेकजोन-04: सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

हैबतपुर (6% क्षेत्र): दोपहर 3:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक

लुक्सर (6% आबादी क्षेत्र): दोपहर 12:00 बजे से 12:45 बजे तक

बिजली विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इस निर्धारित कटौती के दौरान आवश्यक तैयारियां पहले से कर लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। इस दौरान क्षेत्रीय पंपिंग स्टेशनों, शैक्षणिक संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी असर पड़ सकता है। पॉवर कट होने पर जनता क्या करें?

दिल्ली में निर्धारित मेंटेनेंस कार्य के चलते कई इलाकों में तय समय पर बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे पॉवर कट से पहले अपने आवश्यक कार्य पूरे कर लें और बैकअप बिजली व्यवस्था का इंतजाम कर लें। विशेष रूप से स्कूल, ऑफिस और अस्पताल प्रबंधन को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, ताकि बिजली कटौती के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

विभाग ने भरोसा दिलाया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूरे करने की पूरी कोशिश की जाएगी। दिल्ली पावर कट से जुड़ी अधिक जानकारी और अपने क्षेत्र में बिजली समस्या की शिकायत दर्ज कराने के लिए उपभोक्ता विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

नीतीश सरकार आज ट्रांसफर करेगी बढ़ी हुई पेंशन की दूसरी किस्त

(जीएनएस)।

बहार की राजनीति में हलचल हो या गवर्नमेंट का कोई बड़ा फैसला। विकास कार्यों की बात हो या जनता से जुड़े अहम कार्यक्रम- बिहार टुडे में आपको सबसे पहले मिलेगा राज्य से जुड़ा हर बड़ा अपडेट। आइए जानते हैं आज दस अगस्त को क्या-क्या होने वाला है।

महिलाओं को आज भी बस में नहीं देना होगा किराया

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने रक्षाबंधन पर पटना और मुजफ्फरपुर के सभी रूटों पर 9 अगस्त को महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा का ऐलान किया है। साथ ही, पटना में चलने वाली पिंक बसों में भी महिलाएं मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। महिलाएं 10 अगस्त तक निगम की बसों में फ्री यात्रा कर सकेंगी। इस निःशुल्क सेवा का लाभ सभी आयुवर्ग की महिलाएं ले सकेंगी।

नीतीश सरकार आज ट्रांसफर करेगी बढ़ी हुई पेंशन की दूसरी किस्त

बिहार में आज नीतीश सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि उइळ के जरिए ट्रांसफर करेगी। 1 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों के अकाउंट में 10 अगस्त को 1100-1100 रुपये आएंगे। पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति माह किए जाने के बाद लाभार्थियों को मिलने वाली यह दूसरी किस्त होगी।

इस बार लगभग 1,12,18,845 लाभुकों के खाते में कुल मिलाकर करीब 1247.34 करोड़ रुपये जमा

किए जाएंगे। ये पेंशन राशि विधवा महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को दी जा रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर पटना में महत्वपूर्ण बैठक

नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम, बिहार के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन को मजबूती देने के लिए 10 अगस्त को पटना में एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में प्रांतीय कमेटी, जिला कमेटी और सभी संबद्ध संघों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी रैली की रणनीति तय करना, संगठन को मजबूत बनाना और जनजागरण अभियान को तेज करना है।

राजगीर में पहली बार एशिया रग्बी अंडर-20 चैंपियनशिप

बिहार में पहली बार 9 और 10 अगस्त, 2025 को 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' का आयोजन हो रहा है। यह भव्य प्रतियोगिता राज्य खेल अकादमी-सह-बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर के परिसर में आयोजित किया जा रहा है। इसमें 9 देशों की 16 टीमें भाग ले रही है। भारत के अलावा चीन, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल की टीमें भी इस टूनामेंट में मैदान में हैं।

बिहार में आज कैसा रहेगा मौसम का हाल

बिहार में 10 अगस्त 2025 को मौसम में क्षेत्रीय विविधता देखने को मिलेगी। क्टऊ के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रमुख शहरों जैसे पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मुंगेर, पूर्णिया और जमुई में तापमान में थोड़ी गिरावट के साथ बारिश होने की संभावना है

मुंबई लोकल में बिना टिकट यात्रियों की अब खैर नहीं, रेलवे करने जा रहा ये उपाय

मुंबई रेलवे ने टिकटों की खरीद में धांधली रोकने के लिए अब स्टेशनों पर डायनामिक क्यूआर कोड लागू करेगा। ताकि यात्री अब डाउनलोड किए गए कोड का इस्तेमाल करके टिकटिंग से बच न सकें। मुंबई रेलवे का यह नया कदम टिकट प्रणाली में बढ़ते दुरुपयोग को रोकना है, जहां यात्री पहले से डाउनलोड किए गए क्यूआर कोड के माध्यम से टिकट खरीदने से बचते थे।

वर्तमान में, स्टेशनों पर चिपकाए गए स्थायी क्यूआर कोड का दुरुपयोग किया जा रहा है। यात्री इन कोडों को अपनी फोन गैलरी में सहेज लेते हैं और टीसी को देखते ही टिकट खरीदने के लिए उनका इस्तेमाल करते हैं। एक रेलवे अधिकारी ने बताया, "क्यूआर कोड और यूपीआई के माध्यम से

कैशलेस लेनदेन यात्रियों के लिए सेवाओं को सुचारू और अधिक कुशल बनाने के लिए शुरू किए गए थे। इनका उद्देश्य लेनदेन को तेज करना, प्रतीक्षा समय को कम करना और ग्राहक संतुष्टि में सुधार करना है।"

अधिकारी ने बताया, "ये क्यूआर कोड डिवाइस मुंबई सेंट्रल डिवीजन के सभी यूटीएस काउंटरों पर पहले से ही उपयोग में हैं, जिसमें उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों खंड शामिल हैं।" भारतीय रेलवे के यूटीएस (अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम) ऐप में एक जियोफेंसिंग प्रतिबंध है, जिसका अर्थ है कि यात्री सीधे प्लेटफॉर्म या पटरियों के पास टिकट बुक नहीं कर सकते। ऐप का उपयोग करने के लिए, यूजर्स को स्टेशन या पटरियों से कम से कम 20-25 मीटर दूर होना चाहिए, हालांकि यह दूरी भिन्न हो सकती है।

ऐप यूसर्ज के लिए टिकटिंग सुविधा प्रदान करने हेतु, रेलवे ने स्टेशन के प्रवेश द्वार पर क्यूआर कोड स्टिकर पेश किए थे।

ओवल टेस्ट के पांचवें दिन मिली थी आईसीसी से चेतावनी, गौतम गंभीर ने निकाली तरकीब, टीम इंडिया बचकर निकल गई

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने पांचवें दिन के पहले घंटे में जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचने का काम किया था। भारतीय टीम ने अंतिम 4 विकेटों को 35 रनों के अंदर समेटकर इंग्लैंड का धुआं निकालने का काम किया था लेकिन उस समय सामने दूसरी समस्या भी थी।

भारतीय टीम के ऊपर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में पॉइंट्स की पेनल्टी लगने वाली थी। आईसीसी के मैच रेफरी ने पहले ही यह बता दिया था। मैच शुरू होने से पहले टीम इंडिया के सामने यह चुनौती थी कि इंग्लैंड को आउट किया जाए, या पेनल्टी लगने वाले रनों को बचाया जाए।

ओवल टेस्ट के पांचवें दिन जब टीम इंडिया मैदान पर उतरी, तब टीम पर कउउ मैच रेफरी जेफ क्रो की सख्त चेतावनी का दबाव था। दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट

में भारतीय टीम के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि क्रो ने ओवर रेट में छह ओवर की कमी के कारण चार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) पॉइंट्स काटने की चेतावनी दी थी।

हालात साफ थे, या तो भारत जल्दी इंग्लैंड को ऑलआउट करे या ओवर रेट में सुधार लाए, वरना कीमती अंक गंवाने पड़ सकते थे। हळउ की रेस में हर पॉइंट बेहद अहम होता है। अब टीम हडल में सुझाव आया कि दोनों छोर से स्पिनरों को लाकर इस मामले को निपटाया जा सकता है।

इस दौरान कोच गौतम गंभीर ने अहम प्रतिक्रिया दी। गौतम गंभीर का मानना था कि टीम को ओवर रेट की बजाय जीत पर फोकस करना चाहिए। टेस्ट के आखिरी दिन सिर्फ तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की, और उन्होंने एक घंटे से भी कम वक्त में इंग्लैंड के बाकी चार विकेट गिरा दिए। इस तरह टीम इंडिया ने गौतम गंभीर के सुझाव के बाद अपना काम किया और मैच जीतने के साथ ही पेनल्टी भी नहीं लगने दी। अगर मैच हार जाते, तो पेनल्टी लग जाती। भारत ने वहां तक मामला आने नहीं दिया।

एक घंटे तेज गेंदबाज लगे रहे

सिराज ने 5 विकेट झटकते हुए तहलका मचा दिया और इंग्लैंड को 6 रनों से हार मिली। उस एक घंटे में सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने ही गेंदबाजी की। कोई भी स्पिनर नहीं लाया गया था और यह रणनीति परफेक्ट तरीके से काम कर गई।

बिहार विधानसभा चुनाव : कौन सी हैं वो 5 पार्टियां जिनके साथ तेजप्रताप यादव ने किया है गठबंधन? क्या होगा असर

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव में अब चंद महीने ही बाकी रह गए हैं। चुनावी सरगर्मियों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे और पूर्व बिहार मंत्री तेज प्रताप यादव लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। तेज प्रताप ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पांच पार्टियों के साथ गठबंधन की घोषणा की है।

ध् यान रहे कि हसनपुर विधानसभा सीट से विधायक तेज प्रताप यादव को आरजेडी मुखिया लालू यादवर परिवार ने "नकार" दिया है, और उन् हें पार्टी से निष् कासित कर दिया है। जिसके बाद उन् होंने खुद को बिहार में इस नए मोर्चे के नेता के रूप में स्थापित किया है। उनके छोटे भाई तेजस्वी प्रसाद यादव, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं और राजद के आगामी चुनावों में प्रमुख चेहरा हैं।

इँ१ अररीु'८ ए'ीइङ्कल्लर 2025

तेज प्रताप यादव ने बिहार के पांच छोटे दलों से गठबंधन करने के बाद दावा किया है कि यह गठबंधन "सामाजिक न्याय, सामाजिक अधिकारों और व्यापक बदलाव" लाकर "बिहार की स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती" दे सकता है।

तेज प्रताप ने महुआ सीट से निर्दलीय उम् मीदवार के तौर पर

लड़ेंगे चुनाव

तेज प्रताप की अपील मुख्य रूप से यादव वोटरों के एक वर्ग और मुख्यधारा की राजनीति से "भ्रमित" लोगों के बीच है। उनकी धार्मिक पहचान, मंदिर यात्राएं और खुद को "आध्यात्मिक नेता" बताने का दावा भी वोटरों के बीच गूंज पैदा करता है। आरजेडी से बाहर निकाले जाने के बाद, तेज प्रताप की लोकप्रियता अब महुआ निर्वाचन क्षेत्र में अग्निपरीक्षा से गुजरेगी, जहां से वे विधानसभा चुनावों में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

तेज प्रताप का गठबंधन कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है जहां इन पांच पार्टियों का मुख्य समर्थन आधार है। इससे राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विपक्षी वोटों में सेंध लग सकती है और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों में मदद मिल सकती है। हालांकि, इन पांच पार्टियों में से किसी के पास भी मजबूत जमीनी नेटवर्क, स्थापित बूथ-स्तरीय उपस्थिति या पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं हैं, और उन्हें ज्यादातर तेज प्रताप के नेतृत्व पर निर्भर रहना होगा।

कौन सी हैं वो पार्टियां जिनके साथ तेजप्रताप यादव ने किया है गठबंधन?

विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी)

तेज प्रताप के नए सहयोगियों में सबसे प्रमुख प्रदीप निषाद हैं, जो नवगठित वीवीआईपी के प्रमुख हैं। "हेलीकॉप्टर बाबा" के नाम से भी जाने जाने वाले निषाद, एक समय विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के करीबी सहयोगी थे। कथित तौर पर "पार्टी में उचित सम्मान न मिलने" के मतभेदों के कारण, उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर के मूल निवासी निषाद ने 2021 के आसपास वीआईपी छोड़ दी थी। उन्होंने इस साल वीवीआईपी का गठन किया है।

28 जून को लॉन्च हुई और बाद में "जहाज" को चुनाव चिन्ह के रूप में आवंटित किया गया, वीवीआईपी का लक्ष्य निषाद-मल्लाह समुदाय का प्रतिनिधित्व करना है, जो पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने और नदी-आधारित व्यवसायों से जुड़े हैं।

मशहूर सिंगर और एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया धमाकेदार गाना 'पगली जान दे दी का' हुआ रिलीज, रक्षा गुप्ता के साथ किया ऐसा रोमांस

(जीएनएस)।

भोजपुरी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर और एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना एक बार फिर सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। उनके गानों और फिल्मों को भोजपुरिया दर्शक हमेशा खुले दिल से अपनाते हैं।

अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना

यूट्यूब पर अरविंद अकेला कल्लू के कई सुपरहिट सॉन्ग्स 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज बटोर चुके हैं। अब उनका लेटेस्ट ट्रैक 'पगली जान दे दी का' हाल ही में रिलीज हुआ है और फैंस इस पर अपना खूब सारा प्यार लुटा रहे हैं।

महादेव पर गाए थे कई गाने

सावन के पवित्र महीने में अरविंद अकेला ने महादेव पर आधारित कई भक्ति गीत गाए, जिन्हें शिवभक्तों ने बेहद पसंद किया। अपने करियर में उन्होंने रोमांटिक से लेकर देसी तड़के वाले गानों तक, हर अंदाज में धमाल मचाया है। इस बार उनका नया गाना 'पगली जान दे दी का' भी फैंस को

खूब पसंद आ रहा है।

नए गाने से जुड़े कलाकार और टीम

-इस गाने का टीजर प्रोड्यूसर प्रशांत निशांत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। टीजर को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा था- आ गया सुपरस्टार अरविंद अकेला कल्लू और भोजपुरिया सनसनी रक्षा गुप्ता का शानदार गाना। आरवीएफ के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर।

-'पगली जान दे दी का' गाने को अरविंद अकेला कल्लू के साथ काजल राज ने अपनी आवाज दी है। वीडियो में अरविंद के साथ एक्ट्रेस रक्षा गुप्ता नजर आ रही हैं। गाने के बोल दुर्गेश भट्ट ने लिखे हैं और म्यूजिक साजन मिश्रा ने कंपोज किया है। इस म्यूजिक वीडियो का निर्देशन प्रवीन एस ने किया है जबकि सिद्धार्थ मिश्रा ने इसे प्रोड्यूस किया है।

अरविंद अकेला कल्लू की बढ़ी फैन फॉलोइंग

-अरविंद अकेला कल्लू का पिछला रिलीज ट्रैक 'तोहार कातिल बा फिगर' भी धमाल मचा चुका है। सारेगामा हमार भोजपुरी यूट्यूब चैनल पर अपलोड हुए इस गाने ने रिलीज के कुछ ही दिनों में 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया था। इसमें अरविंद का एनर्जेटिक डांस और मस्तीभरे बोल दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देता है।

-वहीं अब 'पगली जान दे दी का' गाने ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अरविंद अकेला कल्लू की लोकप्रियता और उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती जा रही है। उनके गानों का खास अंदाज ही उन्हें भोजपुरिया इंडस्ट्री में सबसे अलग पहचान दिलाता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

ट्रंप ने अमेरिकी कंपनियों और उपभोक्ताओं दोनों को तबाह करने का आत्मघाती कदम उठा लिया

अमेरिका में अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयात कर में बढ़ोत्तरी के बाद के परिणामों को लेकर हो रही प्रातिव्रिया दिन प्रातिदिन तीव्र होती जा रही है। एक तरफ अमेरिकी राजनेताओं ने जहां ट्रंप के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है कि भारत से बड़ी मुश्किल से संबंध पटरी पर आए थे किन्तु अब एकतरफा कार्रवाई के कारण नई दिल्ली को मजबूरी में अमेरिका से संबंधों पर पुनर्विचार करने पर विवश होना पड़ रहा है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति माइक पेंस ने तो कहा है कि भारत पर 50 प्रातिशत का आयात कर लगाकर ट्रंप ने अमेरिकी वंपनियों और उपभोक्ताओं दोनों को तबाह करने का आत्मघाती कदम उठा लिया। अमेरिका के पूर्व मंत्री और मौजूदा सांसद प्राधानमंत्री को सलाह दे रहे हैं कि उन्हें ट्रंप की इस हरकत से घबराकर कोई पैसला नहीं लेना चाहिए। यही नहीं मजे की बात तो यह है जिस अधिकार यानि आईईईपीए अर्थात इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट के तहत राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रीय हितों की बलि चढ़ाकर अपने निजी हित और महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए मित्र राष्ट्रों के खिलाफ ही आयात कर बढ़ाते जा रहे हैं उसके दुरुपयोग को रोकने के लिए अमेरिकी अदालत में अपील कर दी गई है और पैसला इसी सप्ताह आने वाला है। अदालत के पैसले के संभावित प्रातिवूल होने की स्थिति पर बोलते हुए ट्रंप ने अपनी बौखलाहट में यहां तक कह दिया कि यदि उनके टैरिफ अधिकार आईईपीएम के खिलाफ पैसला आया तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक क्षति हो सकती है। किन्तु वास्तविकता यह है कि जो अमेरिकी राजनेता राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी दे रहे हैं और भारत को ट्रंप के सामने न झुकने की सलाह दे रहे हैं, उनके लिए न भारत प्रिय हैं और न ही वे ट्रंप के दुश्मन हैं बल्कि उनकी चिन्ता मात्र यह है कि बड़ी मुश्किल से भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बनी थी किन्तु अपनी सनक के वशीभूत ट्रंप एक बार फिर भारत को अमेरिका से दूर धकेल रहे हैं। इन राजनेताओं को अपने अमेरिका की दूरगामी स्थायी हितों की चिन्ता सता रही है।

दरअसल भारत अब ब्रिक्स देशों से मिलकर अमेरिका के डालर में व्यापार का विकल्प तैयार करने वाला है। ब्राजील पर भी ट्रंप ने 50 प्रातिशत का ही टैरिफ लगाया है किन्तु सबसे ज्यादा तो अमेरिका को इस बात का भय है कि रिक यानि रूस, भारत और चीन मिलकर यदि अमेरिका को चुनौती देंगे तो स्थिति पूरी तरह पलट जाएगी। इन तीन देशों के मिलकर व्यापार करने से विश्व के 23 प्रातिशत व्यापार पर कब्जा कर लेंगे जबकि अमेरिका मात्र 9 प्रातिशत पर सिमट जाएगा। इन तीन देशों के पास 40 प्रातिशत विदेशी मुद्रा होगी जबकि अमेरिका के पास मात्र 12 प्रातिशत। जहां तक ब्रिक्स देशों के सामने अमेरिका की स्थिति का सवाल है तो 42 प्रातिशत के सामने अमेरिका मात्र 4 प्रातिशत है।

असल में ट्रंप को लगा कि वह जैसे ही भारत को 50 प्रातिशत टैरिफ की धौंस दिखाएंगे तो वह डरकर रूस से तेल लेना बंद कर देगा। भारत ने ट्रंप को ठेंगा दिखाते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी। अब न तो रूस से व्यापार कम होगा और न ही अमेरिकी शर्तो पर अपने उन क्षेत्रों में प्रावेश पर अमेरिकी कंपनियों को घुसने देगा जिसे वह संरक्षित क्षेत्र मानता है।

अभी तक अमेरिकी भूराजनीतिक हित यही था कि वह भारत के माध्यम से चीन को नियंत्रित करेगा लेकिन अब जब भारत खुद ही अमेरिकी नीतियों से तंग आकर चीन के नजदीक आने को विवश हो गया तो इससे बड़ा अमेरिकी वूटनीति को और क्या झटका हो सकता है। अभी ब्रिक्स और रिक का इतना विस्तार होगा कि अमेरिका के लिए ही मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

इसी संभावित स्थिति का आंकलन करके ही भारत स्थित चीन के राजदूत ने बड़ी दिलचस्प टिप्पणी की कि "बदमाश इंच भर बढ़ जाने के बाद मील भर बढ़ना चाहता है।" चीन की यह टिप्पणी तब आई है जब चीन ने एससीओ में प्राधानमंत्री मोदी के जाने का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि रिक अमेरिका को उसकी औकात दिखाने का सफल प्रायास करेगा।

प्रधानमंत्री जी की आयुष के प्रति प्रतिबद्धता

(जीएनएस)।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान प्रतिदिन हजार से अधिक असाध्य रोगियों का निशुल्क इलाज करता है। यह भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भारत की प्राचीन संस्वृति और भारतीय चिकित्सा पद्धति के विकास व संवर्धन के प्रति दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

वर्ष 2019-20 की कोरोना आपदा ने जहां कई घरों में अंधेरा कर दिया वहीं मेरे जीवन में अंधेरा ला दिया,डायबिटीज के कारण मेरे पैर में गैंगरिन हो गया और साथ साथ मुझे दिल का दौरा पड़ गया, दिल्ली के मैक्स अस्पताल में पेस मेकर लगाकर हार्ट की बीमारी पर तो काबू पा लिया गया, पर गैंगरिन के लिए पैर के पंजे तक काटने की सलाह दी गई पर मेरे परिवार ने एक आयुर्वेदिक चिकित्सक से संपर्व किया और राजीव पुंडीर नामक इस चिकित्सक ने झूठा भरोसा दिला दिया कि यह ठीक कर दूंगा, उसने डेढ़ माह तक इलाज किया लाखों रुपए ले लिए और झूठे दिलासा देता रहा कि यह ठीक हो रहा है पर अंततोगत्वा मुझे घुटने से नीचे अपना पैर कटवाना पड़ा और वृत्रिम पैर लगवा कर अपनी नॉर्मल जीवनी जीने लगा।

पर डा पुंडीर की इस धोखाधड़ी से भारत की हजारों वर्ष पुरानी आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से विश्वास उठ गया।

इस बीच मुझे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय इंद्रेश वुमार जी के जन्म दिवस के अवसर में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया और वहां पर मेरी मुलाकात अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में कार्यरत प्रोपेसर डॉ संतोष भट्टेड से हुई और उनके विषय में श्री इंद्रेश वुमार जी से पता चला कि वे पंचकर्म विभाग में विशेषज्ञ हैं और जितने ही अच्छे चिकित्सक है उतने ही अच्छे इंसान हैं, इनसे बात कर के ही मरीज 25ङ्ख ठीक हो जाता है। यद्दापि मेरे पुराने अनुभव के कारण मेरा आयुर्वेदिक चिकित्सा से विश्वास उठ गया था पर डा भट्टेड के आमंत्रण को मना नहीं कर पाया। उनके यहां जाने पर उन्होंने मेरी पूरी कहानी सुनी और कहा कि अब जो होना था हो गया पर अपने इलाज से आपकी एलोपैथिक चिकित्सा पर निर्भरता कम हो जाएगी जो सत्य साबित हुआ। उसके बाद उन्होंने मुझे बताया कि इस संस्थान में कौन कौन से साध्य रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार हो रहा है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सौजन्य से चल रहे इस स्वायत्त संस्थान में प्रतिदिन हजारी मरीजों को परामर्श, परीक्षण, और निःशुल्क दवाइयां मिलते है। वहां हर रोज सुबह हजारों की संख्या में गरीब लाइन में लगकर रजिस्ट्रेशन कराते और योग्य से योग्य चिकित्सकों को दिखाते और निःशुल्क दवाइयां ले जाते हैं। जहां एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में बवासीर, फिशर, गैंगरिन आदि का एक ही विकल्प ऑपरेशन होता है वहीं इन रोगों से जूझ रहे कई रोगियों के मेरे द्वारा डॉ संतोष भट्टेड को रेफर किया गए लोगो को सिर्प आयुर्वेदिक चिकित्सा से थिक होते देखा है। वहां के पंचकर्म विभाग में डा संतोष भट्टड़ कि देख रेख में एक 85 वषाय रोगी जो वृद्धावस्था संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे और चलने की स्थिति में नहीं थे उन्हें वुछ सप्ताह के ईलाज से स्वास्थ होकर अपने पैरों पर अपने घर जाती देखा।

वर्ष 2016 में स्थापित अखिलेश भारतीय आयुर्वेद संस्थान पूरी तरह से आयुर्वेद के क्षेत्र में इलाज और अनुसंधान के प्रयोजनार्थ सर्मपित है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान को आयुर्वेदिक तृतीयक स्वास्थ्य देख

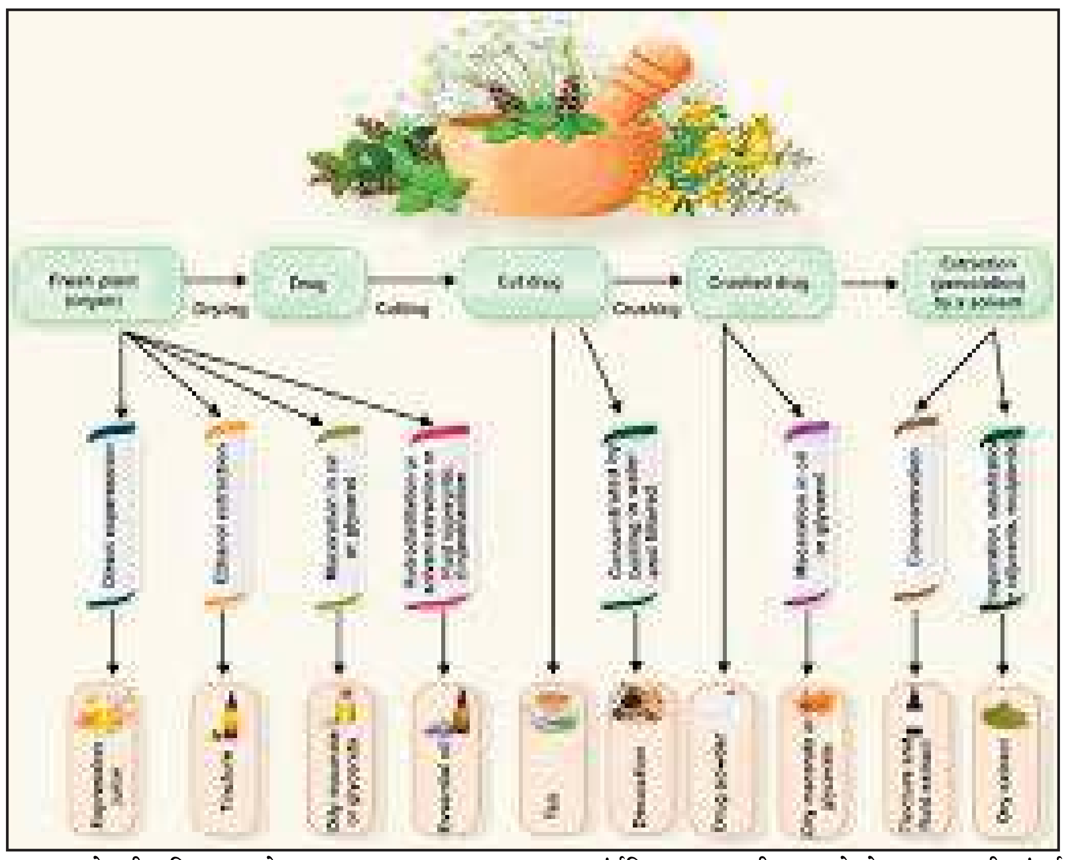

भाल करने की परिकल्पना के साथ स्थापित और विकसित किया गया था। आयुर्वेद उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता के विषय में वैज्ञानिक सूचना की कामी को दूर करने के उद्देश्य से गुणवत्ता अनुसंधान को सुगम बनाने के लिए अन्य चिकित्सा पद्धति से प्रतिस्पधा बनाएं रखने के लिए बेंच मार्व स्थपित करना के लिए अखिलेश भारतीय आयुर्वेद संस्थान पूरी तरह से कार्यरत है। इसके स्थपित करती समय यह योजना बनाई गई समकालिक विज्ञान और संसाधनों के साथ पारस्परिक सूझ बूझ के समायोजन से यहां पर नवोचित सुविधाये होनी चाहिए।

वर्तमान समय में यहां पर 200 बेड वाला एक रेफरल अस्पताल है। संस्थान में पंचकर्म की सुविधाओं के साथ साथ 8 अंर्तविषयक प्रयोगशालाओं के साथ 127 क्लीनिक काम कर रहे हैं, वर्ष 2016 में शुरू इस संस्थान में रोज रोज ओ पी डी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। वर्तमान में औसतन आधार पर प्रतिदिन 1500 रोगियो के नाम रजिस्ट्रेशन में दर्ज किए जाते हैं। आयुर्वेद औषधि के गुणवत्ता मानक की प्रोन्नति और उपचार के प्रति झुकाव के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी है।

वर्ष 2014 में आयुष मंत्रालय के निर्माण के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय चिकित्सा पढ़ती की व्यापक क्षमताओं को स्वीकार करते हुए इसके विकाश के लिए एक व्यापक रूप रेखा की परिकल्पना की। इस क्षेत्र की प्रगति की व्यापक समीक्षा करने के पात इसकी संपूर्ण क्षमता का दोहन करने हेतु रण नीतिक उपायों की आवश्यकताओं पर जोर दिया।

उन्होंने इस पद्धति के विभिन्न पहलों को व्यवस्थित करके संसाधनों का अनुवूलन करके और आयुष की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने हेतु एक दूर दशा मार्ग पर ध्यान वेंद्रित करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री जी ने नीतिगत समर्थन, अनुसंधान एवं नवाचार के मध्यम से आयुष क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि आयुष क्षेत्र तेज़ी से भारत की स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक प्रेरक शत्ति के रूप में उभरा है।

उसने शिक्षा अनुसंधान, सार्वजनिक स्वास्थ्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग व्यापार और वैश्वीकरण प्रसार के मामले में महत्वपूर्ण सफलताएं अंजित की है। आयुष क्षेत्र ने आर्थिक विकास में बड़ी तेजी से प्रगति की है। इसमें मैन्यूपेक्चरिग बाजार का आकार वर्ष 2014 में 2.85 बिलियन डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 में 23 बिलियन डॉलर हो गया है। भारत में साक्ष्य आधारित पारम्परिक चिकित्सा में खुद को वैश्विक स्तर पर अग्रिम देश के रूप में स्थापित किया है और आयुष अनुसंधान पोर्टल अब 43000से अधिक अध्ययन को होस्ट कर रहा है। आयुष के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से महत्वपूर्ण सफलताएं अंजित की हैं। जहां पूरे विश्व में आधुनिक चिकित्सा के नाम पर लूट मची हुई है, अच्छे एलोपैथिक डॉक्टरों की फीस दो से तीन हजार रु हो गई है जो आम आदमी के लिए संभव नहीं है।

वहीं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान प्रतिदिन हजार से अधिक असाध्य रोगियों का निशुल्क इलाज करता है। यह भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भारत की प्राचीन संस्वृति और भारतीय चिकित्सा पद्धति के विकास व संवर्धन के प्रति दृढ़ संकल्प का परिणाम है। (जीएनएस)। (लेखक भारत सरकार के पूर्व उप सचिव हैं।)

प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक यूपी ने लगाई लंबी छलांग, केजीएमयू को मिली बड़ी उपलब्धि

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हो चुकी है। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा, मेडिकल और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक राज्य सरकार ने योजनाबद्ध सुधार, तकनीकी नवाचार और सरकारी-निजी साझेदारी के माध्यम से शिक्षा ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार जैसी पहलों ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया, जबकि उच्च शिक्षा में नए प्रयासों के साथ-साथ पुराने संस्थानों को भी बेहतर बनाया

जा रहा है। केजीएमयू को ठअअउ अ++ मिलना इसी का उदाहरण है जिसने उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी। यही नहीं, उत्तर प्रदेश में मेडिकल, नॉलेज सिटी और हाइटेक एजुकेशन के विस्तार से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक किए जा रहे प्रयासों का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारोन्मुख कौशल और वैश्विक मानकों के अनुरूप अवसर प्राप्त कर सके।

हायर एजुकेशन में निजी शिक्षण संस्थानों के साथ पुराने संस्थानों को प्रोत्साहन

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने ठअअउ के नवीनतम मूल्यांकन में अ++ ग्रेड प्राप्त कर लिया है, जिसमें उऋ्रुअ 3.67 अंक प्राप्त हुआ है। ठअअउ की टीम ने 31 जुलाई से 2 अगस्त तक केजीएमयू का निरीक्षण किया और विभिन्न क्राइटेरिया में उच्च स्कोर दिए। प्रदेश सरकार के प्रयासों से मेडिकल शिक्षा में पारदर्शिता, तकनीकी उन्नयन और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए गए, जिसका सीधा असर केजीएमयू जैसे संस्थानों के प्रदर्शन पर पड़ा है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य ह कि 2025-26 तक राज्य के 25% कॉलेजों का ठअअउ मूल्यांकन हो जाए। इसमें लगभग 1,000 कॉलेज पहले ही शॉर्टलिस्ट हुए हैं। इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र को शामिल करने की छूट के तहत कई विश्वविद्यालयों को प्रदेश में प्रवेश की मान्यता मिली है। इसी कड़ी में उन्नाव में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के रूप में पहली एआई आगुमेंटेड यूनिवर्सिटी का शुभारंभ किया गया है। इन प्रयासों से उच्च शिक्षा में निजी भागीदारी को बल मिला है। हाल ही में, मुख्यमंत्री की अगुवाई में योगी कैबिनेट ने"भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना" को मंजूरी दी है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

मेडिकल और हाईटेक शिक्षा में विस्तार

उत्तर प्रदेश ने पिछले आठ वर्षों में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तन लाया है। अब तक 80 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही गोरखपुर में नए आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना भी हुई। दूसरी तरफ, हाईटेक शिक्षा को लेकर भी अनूठे प्रयास किए गए हैं, जिसके तहत कानपुर, गोरखपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में नॉलेज सिटी के विकास की योजना है। इनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना और उच्च शिक्षा व शोध में वैश्विक मानक स्थापित करना है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कारगर साबित हो रही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

उत्तर प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में हरसंभव सहयोग देने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को समाज कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना लगातार साकार कर रही है। प्रदेश के हजारों युवा इस योजना के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर चुके हैं। ग्रामीण और गरीब तबकों के प्रतिभावान युवाओं के लिए यह योजना उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरी है। योगी सरकार द्वारा इस योजना के माध्यम से छात्रों को निःशुल्क कोचिंग, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे यूपीएससी, पीसीएस, जेईई, नीट जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। योगी सरकार ने इस योजना को राज्य के 75 जनपदों में सफलतापूर्वक संचालित कर रही है, जहां करीब 166 केंद्र संचालित हो रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है। प्रदेश सरकार 2 करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करवा रही है, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा गया है, ताकि उद्योगों और बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। प्रदेश में 400 के करीब राजकीय और 3000 निजी आईटीआई संचालित हैं, जहां न्यूनतम शुल्क पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सरकार निजी आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप और अन्य प्रोत्साहन भी दे रही है। इसके अलावा अब प्रदेश की 120 से ज्यादा पॉलीटेक्निक को भी टाटा टेक्नोलॉजी की मदद से अपग्रेड किए जाने की योजना है।

प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में हुआ बड़ा सुधार

ऑपरेशन कायाकल्प ने 2017 से अब तक सरकार स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया है. स्कूलों में मूल सुविधाएं 36% से बढ़कर 96% हो चुकी हैं, 1.32 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी बनी है, और 15.37 करोड़ मुफ्त पाठ्यपुस्तकें वितरित की गई हैं। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत, 2,441 माध्यमिक सरकारी स्कूलों को 35 इंफ्रास्ट्रक्चर मानकों पर अपग्रेड किया गया, जिसमें स्मार्ट क्लास, लैब, पुस्तकालय, कामकाजी वातावरण शामिल है। इससे सरकारी सेकेंडरी स्कूलों में नामांकन में 23% की वृद्धि हुई और प्राथमिक विद्यालयों में उपस्थिति में भी सुधार हुआ है। इससे छात्रों को स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, खेलकूद और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जबकि बेटियों के लिए भी आवासीय शिक्षा के लिए कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के गरीब और वंचित तबके के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उनके सवार्गीण विकास के लिए प्रदेश सरकार ने प्रदेश के चिन्हित माध्यमिक विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की गई है। कई सरकारी स्कूलों में एनसीईआरटी आधारित सिलेबस अपनाया गया है, ताकि छात्रों को एकरूप और उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिले।

बारिश के मौसम में खान-पान और जीवनशैली का रखें ध्यान!

हमारे देश में जून से सितंबर भारी बारिश होती है। हाल फिलहाल अगस्त का महीना चल रहा है और देश में खूब बारिश हो रही है। बारिश में हमें अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्यों कि बारिश के मौसम में कई तरह की बीमारियां जैसे कि डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, पीलिया, चिकनगुनिया, वायरल बुखार, दस्त, और त्वचा सांमण पैलने का खतरा बढ़ जाता है। मानसून के मौसम में वातावरण में नमी हमारे शरीर को कई सांमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। कहना गलत नहीं होगा कि बारिश का मौसम अपने साथ सुवून, हरियाली और ताजगी तो लाता है, लेकिन साथ ही शरीर के लिए वुछ चुनौतियां भी खड़ी करता है।

वातावरण में नमी, तापमान में गिरावट और भोजन के पचने की क्षमता में कमी - ये सभी बदलाव हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बहुत प्रभावित करते हैं।

नमी, गंदगी और बदलता तापमान शरीर की इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है, जिससे सदा-जुकाम, वायरल फीवर, स्टमक (पेट) इंपेक्शन, पूड पॉइजनिग और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मौसम के अनुसार खानपान का ध्यान रखना

बहुत ही आवश्यक है। दूसरे शब्दों में कहें तो बारिश के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए सावधानी बरतना बहुत ज़रूरी है।

मसलन, हमें यह चाहिए कि इस मौसम में हम स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

हमें यह चाहिए कि हम बारिश के मौसम में अपने हाथों को बार-बार धोएं, खासकर खाना खाने से पहले और बाद में। बारिश में पानी को हमेशा उबालकर पीना चाहिए, ताकि हम टाइफाइड, पीलिया, डायरिया जैसे रोगों से स्वयं व अपने परिवार का बचाव कर सवें। इस मौसम में हमें अपने घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए तथा पुल स्लीव्स के कपड़े पहनने चाहिए, और मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए। बारिश के मौसम में कीट-पतंगों, सांप, मच्छरों और अन्य जीव जंतुओं से बचाव भी बहुत ही जरूरी है। त्वचा की देखभाल भी इस मौसम में विशेष जरूरी है, इसके लिए हम अपनी त्वचा को सूखा और साफ रखें, और पंगल सांमण से बचने के लिए एंटीपंगल पाउडर का उपयोग कर सकते हैं। आज हमारी जीवनशैली बहुत बदल चुकी है।

पाठकों को बताता चलूं कि सावन और भाद्रपद(बारिश के महीनों में) के महीनों में, प्राचीन काल से ही खान-पान में वुछ विशेष परहेज बरते जाते रहे हैं। इन महीनों में, विशेष रूप से बारिश के मौसम में, पाचन ाíया बहुत धीमी हो जाती है, और जैसा कि ऊपर भी जानकारी दे चुका हूं कि वातावरण में भी कीटाणुओं का प्रकोप भी बढ़ जाता है। इसलिए, इन महीनों में वुछ विशेष चीजों से जैसे कि मांस, मछली, और अंडा(मांसाहारी भोजन), प्याज, लहसुन, शहद, हरी पत्तेदार सब्जियां , बैंगन, मूली तथा दही आदि से परहेज करना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य ठीक रहे और सांमण से बचा जा सके। सावन और भाद्रपद के महीनों में हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे कि मूंग, मसूर, और अन्य दालें, चपाती आदि लेना चाहिए। पुराने चावल भी खाये जा सकते हैं।

जलती चिता के सामने ही साड़ी में नाचते हुए वीडियो बनाने लगी, सोशल मीडिया यूजर्स ने लगा दी क्लास

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर कभी-कभी कुछ ऐसी चीजें वायरल हो जाती हैं जो वाकई में अजीब होती है। अब एक लड़की का वीडियो वायरल हुआ है जिसकी काफी आलोचना हो रही है। दरअसल एक कंटेंट क्रिएटर ने अपना वीडियो शेयर किया है जिसमें वह साड़ी पहनकर एक जलती हुई चिता के सामने वीडियो बना रही है। इस पर यूजर्स ने काफी कमेंट किए हैं। कुछ लोगों ने कहा कि लोग वायरल होने के लिए आज किसी भी हद से गुजर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि यह किसी की मौत का मजाक उड़ाना है।

दरअसल वीडियो में दिख रहा है कि लड़की ने जहां वीडियो बनाया है उसके ठीक पीछे एक चिता जल रही

है। इससे ऐसा लग रहा है कि यह शायद किसी शहर का स्थानीय श्मशान घाट है। ऐसी जगह पर वीडियो बनाने के लिए कुछ लोग काफी आलोचना कर रहे हैं।

वीडियो देखकर ऐसा लग रहा है कि महिला कोई कंटेंट क्रिएटर है और सोशल मीडिया के लिए रील्स बना रही है। इसी दौरान वह चिता के सामने ही साड़ी में झूमती-नाचती दिख रही है। वह लगातार कैमरे के सामने पोज देती हुई और ठुमके लगाती दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि इसे रील बनाने के लिए ही श्मशान घाट से शूट किया गया है।

वीडियो की आलोचना करते हुए एक यूजर ने लिखा कि रील बनाने की लोगों को ऐसी सनक सवार हो गई है कि न जगह देख रहे हैं और न ही मौका। एक यूजर ने लिखा कि यह बहुत असंवेदनशील व्यवहार है। कम से कम जगह और माहौल का तो ख्याल रखना चाहिए। एक यूजर ने लिखा कि कलियुग में लगाता है कि 2 पैरों वाले जानवरों को काफी देखने को मिलेगा।

मानवता की मिसाल बनी बाढ़ पीड़ितों के बीच रोटरी उदय और रोटरैक्ट उदयवीर का संयुक्त सेवा संकल्प

परोपकाराय सतां जीवितं धर्मस्य मूलं परहितं स्मृतम्। जनहिताय यः कर्म करोति तस्य जीवनं अमरं भवति।

(जीएनएस)।

श्रीकुल पीठ सम्बद्ध प्रधान शक्तिपीठ माँ कामाख्या देवी गुवाहाटी असम के पीठाधीश्वर एवं रोटरी क्लब वाराणसी उदय के चार्टर अध्यक्ष श्री श्री 1008 डॉ. सचिन्द्र नाथ जी महाराज के मार्गदर्शन में वाराणसी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एक महत्त्वपूर्ण राहत सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस संयुक्त सेवा अभियान में रोटरी क्लब वाराणसी उदय एवं रोटारैक्ट क्लब उदयवीर के सदस्यों ने आपदा से जूझ रहे सैकड़ों परिवारों तक खाद्य सामग्री पीने का पानी और आवश्यक उपयोगी वस्तुएँ पहुँचाईं। राहत वितरण के दौरान प्रभावित इलाकों में पैदल पहुँचकर लोगों की जरूरतों को समझा गया और तुरंत सहयोग प्रदान किया गया। इस पुनीत सेवा कार्य में रोटरी क्लब वाराणसी उदय के वर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन विशाल लोहिया सचिव रोटेरियन जयदीप शुक्ल निवार्तमान अध्यक्ष रोटेरियन राहुल सिंह सहित कई रोटेरियन सदस्य सक्रिय रहे। वहीं रोटारैक्ट क्लब उदयवीर से चार्टर अध्यक्ष रोट्रैक्टर कुशाग्र मिश्र वर्तमान अध्यक्ष रोट्रैक्टर अभिषेक धारण पांडेय और युवा साथियों ने भी निःस्वार्थ भाव से योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन पर यह संदेश दिया गया कि सेवा ही सच्चा धर्म है और विपत्ति की घड़ी में एकजुट समाज हर कठिनाई को पार कर सकता है। यह अभियान केवल राहत वितरण नहीं बल्कि एक मानवीय संदेश है कि संकट के समय सेवा सहयोग और संवेदना ही सबसे बड़ी शक्ति है।

प्रो. परमेन्द्र सिंह के उप महानिदेशक उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद बनने पर अभिनन्दन समारोह आयोजित

(जीएनएस)।

वाराणसी प्रबुद्धजन काशी न्यास द्वारा शुक्रवार को प्रो. परमेन्द्र सिंह को उप महानिदेशक उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद बनने पर महामना मदन मोहन मालवीय हिन्दी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर हिन्दी पत्रकारिता संस्थान काशी विद्यापीठ के निदेशक डॉ. नागेन्द्र कुमार सिंह ने प्रो. परमेन्द्र सिंह को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। अभिनन्दन समारोह में महानिदेशक

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के डॉ. संजय सिंह नंदलाल यादव सर्वजीत शाही डॉ संजय सिंह गौतम डॉ. गिरजानंद चौबे डॉ. अशोक सिंह पूर्णेंदु त्रिपाठी रिपुंजय सिंह देव कुमार राजू एड. नागेन्द्र सिंह ठाकुर कुश प्रताप सिंह एड संदीप प्रताप सिंह पिंटू इंजी.राम विजय सिंह शशि भूषण सिंह शक्ति सिंह विवेक कपूर डॉ. संजय सिंह आदि ने प्रो. परमेन्द्र सिंह को बधाई दी।

महानगर कांग्रेस कमेटी वाराणसी द्वारा अभियान चला कर वाराणसी के चार क्षेत्रों में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी गई।

(जीएनएस)।

वाराणसी 9 अगस्त लगातार बारिश और गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के चलते वाराणसी के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में महानगर कांग्रेस कमेटी वाराणसी ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए शहर के चार प्रमुख बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और सहायता अभियान चलाया। दक्षिणी विधानसभा वरुणा पार वरुणा इस पार और कैंट क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकताओं ने बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। यह सेवा कार्य महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

इस अभियान के तहत प्रमुख जिम्मेदारियों का विभाजन किया गया जिसमें:

डॉ. राजेश गुप्ता को दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई। वकील अंसारी अरुण सोनी और महेश सिंह को कैंट व आंशिक रोहनिया क्षेत्र सौंपा गया। मयंक चौबे और कब्बन भाई ने वरुणा पार उत्तरी विधानसभा में सेवा कार्य संभाला वहीं रमजान अली ने वरुणा इस पार उत्तरी विधानसभा में राहत सामग्री वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गयीं थी।

राहत वितरण कार्यक्रम के दौरान कैंट विधानसभा क्षेत्र में स्वयं महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगे हैं लेकिन शासन प्रशासन का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है। शासन के इशारे पर कांग्रेसजनों को कोई सरकारी सहयोग मुहैया नही कराया गया जिससे कई क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुँचाने में कठिनाई आई। फिर भी हमारे कार्यकर्ता हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि किसी भी बाढ़ पीड़ित तक सहायता पहुंचाई जा सके।वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ की वजह से हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। आमजन जीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। कई परिवार अपने घरों से बेघर हो गए हैं उनके पास ना रहने की व्यवस्था है ना खाने पीने की सुविधाएं। ऐसे कठिन समय में कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता मानव सेवा के संकल्प के साथ मैदान में डटा हुआ है। आज महानगर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में हमने शहर के चार प्रमुख बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों दक्षिणी विधानसभा, कैंट व रोहनिया वरुणा पार और वरुणा इस पार में राहत सामग्री का वितरण किया। राहत सामग्री में पेयजल की बोतलें कच्चा राशन चावल दाल आटा आलू प्याज आदि साबुन मोमबत्ती माचिस तथा अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थी ताकि पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत मिल सके।दुख की बात यह है कि इस मानवीय कार्य में भी प्रशासन का रवैया पक्षपातपूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण रहा।हमें सरकारी नावें उपलब्ध कराई जाएं ताकि राहत सामग्री को सुरक्षित ढंग से जलमग्न क्षेत्रों में पहुंचाया जा सके लेकिन शासन के इशारे पर कांग्रेस कार्यकताओं को यह बुनियादी सुविधा भी नहीं दी गई। हम ये पूछना चाहते हैं कि क्या सेवा कार्य केवल सत्ता पक्ष का अधिकार है? क्या इंसानियत की सेवा राजनीति की मोहताज होनी चाहिए? कांग्रेस पार्टी इस तरह की संकीर्ण राजनीति की घोर निंदा करती है। फिर भी हमारे कार्यकताओं ने अपनी निजी संसाधनों से नाव और अन्य साधनों का इंतजाम कर राहत सामग्री को पीड़ितों तक पहुंचाया। हमारी कोशिश है कि कोई भी परिवार खाली पेट ना सोए, कोई भी बच्चा बिना दूध या पानी के ना रहे। हमारा संकल्प स्पष्ट है जब तक बाढ़ से पीड़ित अंतिम व्यक्ति को राहत नहीं मिल जाती तब तक कांग्रेस पार्टी का यह सेवा अभियान रुकेगा नहीं।जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तब तक राहत और सेवा कार्य लगातार जारी रहेगा।

इस दौरान राघवेन्द्र चौबे फसाहत हुसैन डॉ राजेश गुप्ता वकील अंसारी अरुण सोनी गुलशन अंसारी रमजान अली मयंक चौबे संजय प्रियदर्शी अफरोज अंसारी हसन मेहदी कब्बन वसीम अंसारी चंचल शर्मा नरसिंह वर्मा मनोज वर्मा सदानन्द त्रिपाठी रोहित दुबे प्रमोद वर्मा नित्यनन्द पाठक आकाश त्रिपाठी हिमांशु सिंह सजीव श्रीवास्तव आशिष पाठक नासिर आनंद चौबे अनिल पटेल बदरे आलम मंजूर अहमद जावेद अंसारी रामजी गुप्ता बाबूलाल यादव समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

काकोरी कोतवाली क्षेत्र पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को मारी गई गोली

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ के काकोरी कोतवाली क्षेत्र के मोहद्दीपुर गांव में सुबह पुलिस को एक व्यक्ति के गोली लगने की सूचना मिली सूचना पाकर मौके पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी ने तत्काल घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेज दिया जहां डॉक्टरों के द्वारा उपचार किया गया और घायल खतरे से बाहर है जानकारी के अनुसार अनिल पुत्र बाबूजान गौतम निवासी मोहिउद्दीनपुर कोतवाली काकोरी में परिवार समेत रहता था किसी बात को लेकर कल आरोपी सचिन पुत्र हरिराम लोधी से वाद विवाद हो गया विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों लोग एक दूसरे को जान

से मारने पर उतारू हो गए किसी तरह बीच बचाव कर लोगों ने विवाद को टाला शनिवार सुबह सचिन ने अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से अनिल को घर में घुसकर कमर के पास सटा के गोली मार दी।घायल अनिल को ट्रामा सेंटर भेजा गया जहां घायल का उपचार जारी है परिजनों के अनुसार दोनों के बीच पैसे को लेकर वाद विवाद है जिसकी वजह से सचिन ने गोली मार दी वही नाम न छापने की शर्त पर लोगों ने बताया कि दोनों युवक नशे की आदी हैं और गांजा स्मैक जैसे नशे करते हैं। कुछ वर्ष पहले घायल अनिल हत्या के आरोप में जेल जा चुका है गोली मारने का सही विवाद क्या है यह तो अब पुलिस विवेचना कर और जो लोग दोषी पाए जाएंगे पुलिस कार्रवाई करेगी प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि घायल परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई की जाएगी वहीं आरोपी के पिता ने नाम डबल बैरल बंदूक पुलिस ने कब्जे में ले लिया है

उन्नाव में रक्षाबंधन पर डिलीवरी ब्वाय की मंझा से गर्दन काटने से हुई मौत

(जीएनएस)।

उन्नाव में चाइनीज मांझे का कहर जारी सरकार के रोक के बावजूद खुलेआम इसकी बिक्री की जा रही है। इससे राह चलते लोगों के लिए यह मौत का मांझा बन चुका है। रक्षाबंधन पर्व पर इसी मांझे ने एक परिवार की खुशियां छीन ली। डिलीवरी ब्वाय के गर्दन में मांझा उलझ गया जिससे कट लगने से मौत हो गई रक्षाबंधन त्योहार पर घर से निकले डिलीवरी ब्वाय की गर्दन में कांच लगी डोर का मांझा फंस गया। लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। स्वजन ने मामला संदिग्ध बता हंगामा किया। पुलिस ने जांच का भरोसा दे सभी को शांत करा शव पोस्टमार्टम

के लिए भेज दिया सदर क्षेत्र के हिरन नगर निवासी 33 वर्षीय अमर राजपूत ब्लिंक-इट कंपनी में डिलीवरी ब्वाय था। शनिवार को वह बकाया रुपये लेने की बात कह बाइक से निकला था। मोतीनगर स्थित हरदोई पुल के पास दोपहर में पहुंचा ही था कि कांच लगे मांझे की डोर उसकी गर्दन में लिपट गई और गले को काटती चली गई। इससे अमर लहूलुहान हो वहीं गिर गया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई स्वजन ने घटना संदिग्ध बता जमकर हंगामा किया। सदर कोतवाल अवनीश सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है। जो भी दुकानदार प्रतिबंधित मांझा बिक्री कर रहा हैं, जांच कर उस पर कार्रवाई की जाएगी

रक्षाबंधन पर संकल्प संस्था का सेवा आयोजन। श्री संकटमोचन को खिचड़ी व मिष्ठान का भोग श्रद्धालुओं को मिष्ठान खिचड़ी व जल वितरण झ भाई-बहन के पर्व पर बंधी सेवा की डोर

(जीएनएस)।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर संकल्प संस्था द्वारा संचालित संकल्प अन्न क्षेत्र वाराणसी ने भक्ति और सेवा का विशेष आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत नीचीबाग स्थित संकटमोचन हनुमान जी को खिचड़ी एवं मिष्ठान का भोग अर्पित कर हुई। इसके पश्चात चौक क्षेत्र में स्थित कन्हैया लाल गुलालचंद सर्राफ के सामने राहगीरों श्रमिकों और श्रद्धालुओं के लिए मिष्ठान प्रसाद खिचड़ी एवं ठंडे जल का वितरण किया गया। भाई-बहन के स्नेह और प्रेम के इस पर्व पर संस्था ने सेवा को भी एक बंधन के रूप में जोड़ा। रक्षाबंधन की भीड़ और गर्मी उमस के बीच यह सेवा श्रद्धालुओं के लिए राहत और आनंद का कारण बनी। संस्था के संरक्षक अनिल कुमार जैन ने कहा रक्षाबंधन केवल भाई बहन का त्योहार नहीं बल्कि यह एक-दूसरे के प्रति प्रेम संरक्षण और सहयोग का भी संदेश देता है। हमारी कोशिश है कि इस पर्व पर कोई भूखा या प्यासा न रहे। सुबह से ही सेवा केंद्र पर लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। गरम खिचड़ी मिष्ठान और ठंडा जल पाकर उनके चेहरों पर संतोष और खुशी का भाव दिखा। सेवा कार्य में श्रीमती मृदुला अग्रवाल एवं सुबोध जैन का विशेष सहयोग रहा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से अनिल कुमार जैन गिरधर दास अग्रवाल संजय अग्रवाल राजेन्द्र अग्रवाल संतोष अग्रवाल अमित श्रीवास्तव प्रमोद रंजनी यादव भइया लाल मनीष अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहें।

डॉ. शंभुनाथ सिंह रिसर्च फाउंडेशन ने एनडीआरएफ के साथ मनाया राखी उत्सव।

(जीएनएस)।

वाराणसीः डॉ. शंभुनाथ सिंह रिसर्च फाउंडेशन ने आज एनडीआरएफ मुख्यालय में एक विशेष राखी उत्सव' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वाराणसी के 15 बाढ़ प्रभावित झुग्गी झोपड़ी क्षेत्रों की 30 किशोरियों ने एनडीआरएफ के 70 जवानों को राखी बांधी।

हाल ही में आई बाढ़ की विभीषिका में जब एनडीआरएफ के जवानों को अपने घर की याद आ रही थी वहीं इन किशोरियों ने जवानों को राखी बांधकर उन्हें अपनेपन का अहसास कराया। इस पहल से न केवल जवानों का मनोबल बढ़ा बल्कि किशोरियों को भी सुरक्षा और आत्म विश्वास की एक नई शक्ति मिली। यह आयोजन केवल एक रस्म नहीं था बल्कि यह सुरक्षा सम्मान और निस्वार्थ सेवा के सार्वभौमिक बंधन का प्रतीक बन गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एनडीआरएफ के डीआईजी मनोज शर्मा के कुशल नेतृत्व में हुआ। सबसे पहले किशोरियों ने डीआईजी मनोज शर्मा को राखी बांधी जिसके बाद उन्होंने अन्य अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी। इस अवसर पर डिप्टी कमांडेंट नवीन शर्मा ने डॉ. शंभुनाथ सिंह रिसर्च फाउंडेशन की कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. यामिनी सैनी का गर्मजोशी से स्वागत किया। भेंट में एनडीआरएफ की तरफ से सभी किशोरियों को चॉकलेट बांटी गईं।

इस अवसर पर फाउंडेशन की कार्यक्रम संयोजिका डॉ. यामिनी ने कहा हमारा मानना है कि एक सुरक्षित और सशक्त बचपन ही एक उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। इस राखी उत्सव ने हमारी किशोरियों को यह विश्वास दिलाया कि समाज में ऐसे निस्वार्थ भाई' मौजूद हैं जो हर संकट में उनकी रक्षा के लिए तत्पर हैं। यह पहल उनके आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी।

इस दौरान उफ परियोजना प्रबंधक दीक्षा सिंह ने एनडीआरएफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में हमारी ये किशोरियाँ जो बाढ़ की विभीषिका से जूझ रही हैं ऐसे में एनडीआरएफ के जवानों को राखी बाँधकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए यह केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश है कि हमारे समाज में भी ऐसे 'भाई' मौजूद हैं जो बिना किसी व्यक्तिगत संबंध के निस्वार्थ भाव से उनकी और उनके परिवारों की रक्षा करते हैं।

कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कार्यक्रम निदेशिका डॉ. रोली सिंह ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व न केवल भाइयों के द्वारा बहनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का पर्व है बल्कि बहनों के द्वारा भाइयों की कलाई में रक्षा सूत्र डालकर उनका मनोबल और हौसला बढ़ाने का भी एक सशक्त रूप है।

यह आयोजन इन किशोरियों के मन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करेगा और उन्हें यह विश्वास दिलाएगा कि वे अकेले नहीं हैं। यह उन्हें यह समझने में मदद करेगा कि एनडीआरएफ जैसी संस्थाएं उनके साथ खड़ी हैं और उनकी सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर हैं। यह उनके भीतर आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देगा जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मदद करेगा। यह आयोजन किशोरियों को सशक्त बनाने और उन्हें यह महसूस कराने के हमारे लक्ष्य को दशार्ता है कि वे अकेली नहीं हैं।

उन्नावः जेल में राखी की धूम, बहनों की लंबी कतार में झलका भाई-बहन का प्यार

(जीएनएस)।

उन्नाव। राखी का पर्व शनिवार को जिला कारागार में भावुक माहौल के बीच धूमधाम से मनाया गया सुबह से ही जेल गेट पर बहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। भाई से मिलने की बेचैनी बहनों के चेहरों पर साफ झलक रही थी जेल प्रशासन ने पर्व को खास बनाने के लिए कैदियों और उनकी बहनों को निशुल्क राखी और मिठाई उपलब्ध कराई सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच, एक-एक कर बहनों ने अपने कैदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी सलामती की दुआ मांगी राखी के इस त्योहार ने जेल की चारदीवारी के भीतर भी रिश्तों की गर्माहट और अपनापन भर दिया

काकोरी में कांग्रेस की जय हिंद यात्रा हम लाए हैं तूफान से कश्ती निकाल कर इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल कर ।

9 अगस्त 2025 को काकोरी ट्रेन कांड के 100 वर्ष पूर्ण होने उपलक्ष्य में जिला कांग्रेस पार्टी लखनऊ के अध्यक्ष श्री रुद्र दमन सिंह जिला कोर्डिनेटर श्री प्रमोद सिंह व श्री शरद मिश्रा की अगुवाई में तथा राष्ट्रीय महासचिव श्री अविनाश पांडे व उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी के नेतृत्व में शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा जय हिंद यात्रा निकाली जिला सचिव कांग्रेस के पास्टर फिरोज मसीह (राजन भैया) ने बताया कि अगर हम आजादी की सांस ले रहे हैं तो इसका सारा श्रेय हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों को जाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने आप को कुर्बान करके हमको आजादी दे दी ।

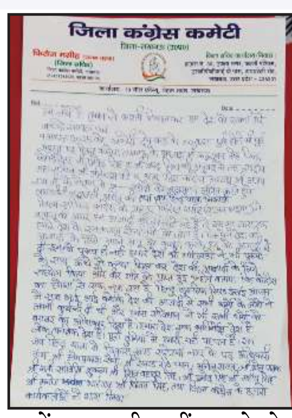

इनमें पुरुष ही नहीं हमारे देश की महिलाओं ने भी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की आजादी के लिए सहयोग किया और वीरगति को प्राप्त हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस का हमेशा से एक नारा रहा है हिंदू मुस्लिम सिख इसाई आपस में सब भाई-भाई क्योंकि देश की आजादी में सभी धर्म के लोगों ने अपनी कुबार्नी दी थी और हमारे संविधान ने भी सभी धर्मों को बराबर का अधिकार दिया है। हमारा देश एक धर्मनिर्पेक्ष देश है लोकतांत्रिक देश है। पूरी दुनिया में हमारी यही पहचान है इस जय हिंद यात्रा में विकासखंड सरोजनी नगर के पद अधिकारी गण श्री ओमप्रकाश सैनी, श्री रेमंड रवि चरण, अनिल रावत, श्री गोलू पाठक, श्रीमती सावित्री शुक्ला, श्री शिव बहादुर सिंह, श्री प्रमोद सिंह, श्री महीप सिंह, श्री मनोज भारगव, श्री विजय सिंह तथा जिला कांग्रेस के हजारों कार्यकताओं ने भाग लिया।